केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय क्र०-2,
एन. एच. पी. सी., बनबसा
KENDRIYA VIDYALAYA No.2,
NHPC, BANBASA

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

विद्यालय पत्रिका 2018-19

VIDYALAYA PATRIKA 2018-19

Phone No. : 05943-263059

Website: - www.no2banbasa.kvs.ac.in

E-mail : - kvnhpc2@yahoo.com, kvnhpc2@gmail.com

VIDYALAYA PATRIKA 2018-19

EDITORIAL BOARD

Chief Patron
Shri Vinod Kumar
Deputy Commissioner I/C
KVS Dehradun Region

Patron
Mrs. Ranjana Barfal
Principal
KV No.2, NHPC, Banbasa

Chief Editor

Shri H. P. Verma
PGT English

Hindi Department: Shri Shyam Lal, PGT Hindi

English Department: Shri Gulab Singh, TGT English

Sanskrit Department: Ms. Kavita Joshi, TGT Sanskrit

Student Editors

Master Sanket Chand, XI Sc. (English)

Ms. Yogita Singh, X Sc.(Hindi)

Ms. Sumedha Upadhyay, VII (Sanskrit)

COVER PAGE DESIGN

Mrs. Shweta Bhal
TGT (Art Education)

PHOTOS & NEWS COLLECTION

Mr. Mohammad Mudassir
(Librarian)

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, देहरादून संभाग

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN, DEHRADUN REGION

(मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन स्वायत्त निकाय)

क्षेत्रीय कार्यालय, सालावाला, हाथीबड़कला, देहरादून (उत्तराखण्ड)

वेबसाइट- www.kvsrodehradun.org ई-मेल : ackvsroddr@yahoo.co.in

दूरभाष: 0135-274910 (DC)/2746371/(AC)2746371(AO)/फैक्स- 2749824

तत् त्वं पूषन् अपावृणु

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

विनोद कुमार

प्रभारी उपायुक्त

Vinod Kumar

Off. Deputy Commissioner

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि केन्द्रीय विद्यालय एन.एच.पी.सी. बनबसा सत्र 2018-19 के लिए विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन करने जा रहा है |

विद्यालय पत्रिका, विद्यालय के समस्त क्रियाकलापों के एक प्रतिबिम्ब है | इसके द्वारा उभरते रचनाकारों व सृजनशील प्रतिभाओं को अपनी सृजनात्मक क्षमता को प्रदर्शित करने का सुअवसर प्राप्त होता है और उसे परिमार्जित करने का एक मौक़ा |

मैं इस पत्रिका से जुड़े सभी लोगों को बधाई देता हूँ और इसकी सफलता की मंगल कामना करता हूँ | मुझे उम्मीद है कि पत्रिका सभी आयु वर्ग के विद्यार्थियों को उचित स्थान प्रदान करेगी |

(विनोद कुमार)

प्रभारी उपायुक्त

संदेश

यह बड़े हर्ष का विषय है कि केन्द्रीय विद्यालय क्र० 2, एनएचपीसी, बनबसा द्वारा वार्षिक पत्रिका प्रकाशित की जा रही है। केन्द्रीय विद्यालय क्र० 2, बनबसा के क्रिया कलापों पर दृष्टिपात करने के पश्चात् ऐसा प्रतीत होता है, कि यहाँ के छात्र–छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु सतत प्रयासरत है। यहाँ बच्चों के सृजन एवं सकारात्मक कार्यों को पत्रिका में संयोजित किया जा रहा है, जिससे परिलक्षित हो है कि बच्चे विज्ञान, साहित्य, अध्यात्म एवं योग की मनोवृत्ति से प्रेरित है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि विद्यालय पत्रिका–2018–19 के माध्यम से प्रबन्धन व संचालन समिति अपने उद्देश्य को सामने रखकर पुनरावलोकन व आत्म–चिंतन का कार्य कर सकता है।

केन्द्रीय विद्यालय क्र० 2, एनएचपीसी, बनबसा यहाँ के क्षेत्रीय बच्चों के शैक्षिक, बौद्धिक एवं शारीरिक विकास के लिए कटिबद्ध है। बच्चों का उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम विद्यालय की सार्थकता प्रमाणित कर रहा है। मुझे आशा है कि भविष्य में भी यह विद्यालय सफलता पर पहुँचेगा एवम् भविष्य में भी नित नई सफलताओं को प्राप्त करता रहेगा तथा क्षेत्र, राज्य एवम् राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

मैं विद्यालय परिवार संचालन समिति एवम् पत्रिका के सम्पादकीय समिति को "विद्यालय पत्रिका 2018–19" हेतु अपने व टनकपुर पावर स्टेशन की ओर से शुभकामना देता हूँ।

पवन कुमार
मुख्य अभियंता
टनकपुर पावर स्टेशन

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

प्राचार्या की कलम से

नमस्कार !

वर्तमान शताब्दी ज्ञान और प्रत्याशा–विस्फोट की दृष्टि से सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। विज्ञान एवं तकनीकी में प्रगति के कारण ज्ञान के नवीन क्षेत्र निरन्तर उद्घाटित हो रहे है। इनके साथ समायोजन तथा अधिकतम लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से प्रत्याशाओं में वृद्धि एक सहज परिणति है। शिक्षा के लिए ये दोनों परिस्थितियां पर्याप्त महत्व रखती हैं बच्चों की शिक्षा का कार्य भावी पीढ़ी को समय–सापेक्ष कौशलों और दक्षताओं में निपुण बनाना है।

प्रस्तुत अंक बल रचनाकारों की क्रियात्मकता एवं सृजनात्मकता की दृष्टि से समय की अपेक्षाओं के अनुरूप हो और जीवन के लिए आवश्यक कौशलों एवं दक्षताओं के विकास में सहायक हो।

मुझे विश्वास है कि यह पत्रिका नवोदित रचनाकारों में करके सीखने के महत्व को स्थापित कर सकेगी और सीखा हुआ ज्ञान व्यवहार का अंग बन सकेगा।

मैं केन्द्रीय विद्यालय संगठन के संभागीय आयुक्त महोदय की प्रेरणा, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष के आर्शीवचनों को आत्मसात करते हुए संपादक मण्डल एवं सहयोगियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करती हूँ जिनके अथक प्रसास से यह प्रत्रिका आप के समक्ष प्रस्तुत हो रही है।

रंजना बरफाल

प्राचार्या

From the .....
Editor's Pen

In order to groom the student's personality and give them enough room to grow intellectually, technically and culturally K.V. NHPC, Banbasa is bringing out the "Vidyalaya Patrika" for the academic year 2018-19, a greatest treasure of the budding writer's creativity. It is not only a collection of little kids' innovative imagination and ideas but provides a real platform to them also to unleash their hidden potential.

Further this creativeness develops a good habit in them for reading , writing , communication , accepting global challenges and to overcome them .

I am sure that this magazine will serve as perfect entertainment for the readers, children and their parents.

I extend my best wishes to the staff , students , one and all and appreciate their endeavours for the publication of this "Patrika".

Above all I owe the esteemed Principal a debt of gratitude for her precious guidance in electrifying our efforts and for being an ever inspiring source. I also express my gratitude to KVS , Chairman VMC and its members.

Thank you, and wish you a happy reading.

H.P. Verma
Chief Editor

केन्द्रीय विद्यालय क्र-० 2, एन. एच. पी. सी., बनबसा

EDITORIAL BOARD

बैठे हुए : (बाएँ से दाएं) - श्री श्याम लाल, स्नातकोत्तर शिक्षक (हिन्दी), श्री एच पी वर्मा, स्नातकोत्तर शिक्षक (अंग्रेजी), श्रीमती रंजना बरफाल , प्राचार्य, श्रीमती श्वेता भाल, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (कला शिक्षण) , श्री एच वी मिश्रा, (प्राथमिक शिक्षक) , श्री मुहम्मद मुदस्सिर, पुस्तकालयाध्यक्ष

खड़े हुए : (बाएँ से दाएं) - योगिता सिंह, X संकेत चंद, XI Sc. सुमेधा उपाध्याय, VII

उत्तर उजाला - 05/04/19

वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया

बनबसा। केन्द्रीय विद्यालय, नंबर दो एनएचपीसी का वार्षिकोत्सव समारोह बड़ी धूमधाम से मनाया गया। छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।

एनएचपीसी के आडिटोरियम में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक टनकपुर पावर स्टेशन के मुख्य महाप्रबंधक रईस मियां और महिला कल्याण संस्था की अध्यक्षा मुनिफा रईस ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस अवसर पर प्रबंधक रईस मियां ने सभी को वार्षिकोत्सव की शुभकामनाएं दी, और विद्यालय के विकास में हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। विद्यालय की प्राचार्या रंजना बरफाल ने सभी का स्वागत कर वार्षिकोत्सव की शुभकामनाएं दी। उन्होंने विद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए वर्षभर चलने वाले क्रियाकलापों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। समारोह में छात्र-छात्राओं के द्वारा गढ़वाली, पंजाबी, कुमाऊंनी गीतों में सुन्दर नृत्य प्रस्तुत किये। छात्र-छात्राओं के द्वारा अंग्रेजी लघु नाटिका भी प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में कक्षा 9 और 11 में प्रथम, द्वितीय और तृतीय आये बच्चों को भी पुरस्कृत किया गया। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस, क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिताओं, टैरी ग्रीन प्रतियोगिताओं और विद्यार्थी विज्ञान मंथन आदि में स्थान पाने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया। शिक्षक श्याम लाल और मो. मुदस्सिर के संचालन में हुए कार्यक्रम में टनकपुर पावर स्टेशन के एस के शर्मा, अमिताभ झा, आनन्द टैंबरे, जानकी खर्कवाल, बी डी उपाध्याय, राजेश यादव के अलावा विद्यालय के शिक्षक और शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

मोटरसाइकिल चलाते समय जरूर पहनें हेलमेट

बनबसा : केंद्रीय विद्यालय नंबर दो एनएचपीसी में पुलिस ने छात्र-छात्राओं को यातायात के नियमों, नशा उन्मूलन और महिला सुरक्षा एवं मानव तस्करी के संबंध में जागरूक किया। शारदा बैराज पुलिस चौकी प्रभारी गोविन्द बिष्ट ने छात्र-छात्राओं को जागरूक करते हुए बताया कि बाइक चलाते हुए हेलमेट का प्रयोग करने, सडक पर अनुशासन में चलने, नशा न करने, महिला सुरक्षा और मानव तस्करी के रोकथाम के बारे में जागरूक किया। पुलिस कांस्टेबल जीवन चंद्र पांडे, जाकिर हुसैन, दीपक रावत और महिला कांस्टेबल कमला ने भी जागरूक किया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्या रंजना बरफाल के अलावा शिक्षक मौजूद रही। संसू

दैनिक जागरण 21/7/19

केंद्रीय विद्यालयों का शानदार रिजल्ट

डाक्टर बनना चाहती है रिया पटेल

केवि-दो में विद्यार्थी परिषद का गठन

www.jagran.com — दैनिक जागरण 05/04/19

बच्चों के नृत्य ने मोहा मन

केंद्रीय विद्यालय नंबर दो में धूमधाम से मनाया गया वार्षिकोत्सव

...रईस ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर प्रबंधक रईस मियां ने सभी को वार्षिकोत्सव की शुभकामनाएं दी और विद्यालय के विकास में हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। विद्यालय की प्रचार्या रंजना बरफाल ने सभी को वार्षिकोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए विद्यालय के वर्ष भर की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और वर्षभर चलने वाली क्रिया कलापों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विद्यालय की छात्र-छात्राओं के द्वारा गढ़वाली, पंजाबी, कुमाऊंनी गीतों में सुंदर नृत्य प्रस्तुत किए गए। छात्र-छात्राओं के द्वारा अंग्रेजी लघु नाटिका भी प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में कक्षा नौ और 11 में प्रथम, द्वितीय और तृतीय आए बच्चों, राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस, क्षेत्रिय खेलकूद प्रतियोगिताओं, विज्ञान मंथन आदि में स्थान पाने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर शिक्षक श्याम लाल और मो. मुदस्सिर, टनकपुर पावर स्टेशन के एस के शर्मा, अमिताभ झा, आनंद टैंबरे, जानकी खर्कवाल, बीडी उपाध्याय, राजेश यादव के अलावा विद्यालय के शिक्षक और शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

अमर उजाला - 29/8/19

प्रश्नोत्तरी में योगिता और सत्यम ने बाजी मारी

बनबसा (चंपावत)। केवि-दो में विद्यालय स्तरीय सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

एनएचपीसी स्थित केवि-दो में सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी में आयोजित हिंदी वादविवाद प्रतियोगिता में अंजलि लेखक, गरिमा चंद और अंग्रेजी वादविवाद में सुयश गहतोड़ी, श्रेया पाल ने बाजी मारी। परियोजना कार्यक्रम के तहत बच्चों ने चार्ट, फाइल, फोटो एलबम आदि का निर्माण किया। प्रत्येक छात्र छात्रा ने अपने कार्यों का निर्णायक मंडल के समक्ष परिचय रखा। गांधी जी का जीवन और दर्शन पर आयोजित प्रश्नोत्तरी में कक्षा 11 विज्ञान वर्ग की योगिता सिंह और कक्षा नौ के छात्र सत्यम चंद विजेता बने। निर्णायक सीआईएसएफ के एसी अविनाश कुमार, डिग्री कालेज के असिस्टेंट प्रोफेसर दिनेश गुप्ता थे। प्राचार्य रंजना बरफाल ने अतिथियों का आभार जताया। बीसी सिंह, सतीश चंद्र उप्रेती, मो. मुदस्सिर, पंकज सिंह बिष्ट ने सहयोग दिया। ब्यूरो

छात्रों ने बनाए विज्ञान के मॉडल

बनबसा। केन्द्रीय विद्यालय नंबर दो एनएचपीसी में विद्यालय स्तरीय सामाजिक विज्ञान प्रतियोगिता प्रदर्शनी और विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं के द्वारा चार्ट, फाइल और फोटो एलबम के रूप मे परियोजना कार्य प्रस्तुत किया। इस दौरान छात्रों ने अपने परियोजना कार्य का परिचय भी दिया। इसके अलावा वाद-विवाद प्रतियोगिता में सुयश गहतोड़ी, श्रेया पाल ने अंग्रेजी और हिन्दी वाद-विवाद प्रतियोगिता में गरिमा चंद और अंजलि अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। महात्मा गांधी के जीवन और दर्शन पर आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रयोगिता चंद और सत्यम चंद विजयी रहे। प्रतियोगिता के निर्णायमंडल में सहयक कमांडेंट सीआईएसएफ अविनाश कुमार, दिनेश कुमार गुप्ता प्रोफेशर राजकीय महाविद्यालय बनबसा रहे। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य रंजना बरफाल ने छात्र-छात्राओं को प्रतिभाग करने वालों को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में बीपी सिंह, सतीश चन्द्र उप्रेती, मोहम्मद मुदस्सिर, पंकज सिंह बिष्ट आदि ने सहयोग दिया।

उत्तर उजाला - 29/8/19

केवि- दो के बच्चों को दी आग से बचाव की जानकारी

बनबसा (चंपावत)। अग्निशमन विभाग ने एनएचपीसी स्थित केवि-दो के बच्चों को आपदा एवं उससे बचाव की जानकारियां दीं। इस मौके पर बच्चों को मौक ड्रिल के जरिए आग पर काबू पाने और आपदा से निपटने के तरीकों को दिखाया। पुलिस अधीक्षक ददन पाल के निर्देश पर पुलिस विभाग के अग्निशमन विभाग की टीम ने एनएचपीसी स्थित केवि-दो के बच्चों को आग एवं अन्य आपदाओं के संबंध में जानकारी दी। आपदा के दौरान बचाव और राहत कार्यों के बारे में बताया। आपदा राहत कार्यों में लोगों द्वारा किस तरह मदद पहुंचाई जा सकती है और बच्चों की भूमिका के संबंध में बताया गया। इस मौके पर अग्निशमन दल के श्याम सिंह रावत, गोविंद राम, चंद्रशेखर, कृष्ण सिंह, राज कुमार, भरत सिंह, मनोज कुमार, उमेश राना के अलावा स्कूल की प्राचार्या रंजना बरफाल, शिक्षक शिक्षिकाएं और बच्चे उपस्थित थे। ब्यूरो

सुयश ने किया विद्यालय टॉप

संवाद सूत्र, बनबसा : सीबीएसई बोर्ड हाईस्कूल का परीक्षाफल घोषित हो गया है। केंद्रीय विद्यालय नंबर दो एनएचपीसी के छात्र सुयश गहतोड़ी ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय टाप किया है। जबकि योगिता 96 प्रतिशत द्वितीय, विनिशा 95.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तीसरे और प्रिया कापड़ी 92.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर चौथे स्थान पर रही। केंद्रीय विद्यालय नंबर एक सैनिक छावनी के पारस जैन ने 96.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय टॉप किया। वहीं दिव्या दुबे 93.6 प्रतिशत द्वितीय और रिया गंगोला 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तीसरे स्थान पर रही। केवी एक शिक्षा छावनी के प्राचार्य भुवन चन्द्र जोशी ने बच्चों को शुभकामनाएं दी।

सिविल सेवा में जाना है लक्ष्य

केंद्रीय विद्यालय नंबर दो एनएचपीसी से 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय टाप करने वाले छात्र सुयश गहतोड़ी भविष्य में सिविल सेवा में जाकर देश और जनता की सेवा करना चाहते है। उनके पिता एलडी गहतोड़ी पेशे से वकील है और माता रेनू गहतोड़ी सेंट फ्रांसिस स्कूल टनकपुर में शिक्षिका है। सुयश गहतोड़ी ने अपनी कामयाबी का सारा श्रेय अपने माता-पिता और गुरुजनों और अपनी कड़ी मेहनत को दिया।

इंजीनियर बनना चाहते हैं पारस

केन्द्रीय विद्यालय नंबर एक सैनिक छावनी से 96.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय टाप करने वाले पारस जैन भविष्य में इंजीनियरिंग के क्षेत्र में जाकर देश की सेवा करना चाहते है। उनके पिता अजय जैन शिक्षा विभाग में कार्यरत है और माता सुचि जैन गृहणी है। उन्होंने बताया कि वह नियमित रूप से प्रतिदिन 6 घंटे पढ़ाई करते थे। उन्होंने अपने सफलता का श्रेय माता पिता और गुरुजनों को दिया है।

अमर उजाला 07.05.19

03/05/19 दैनिक जागरण

केंद्रीय विद्यालय में रिया ने किया टॉप

संवाद सूत्र, बनबसा: इंटर की बोर्ड परीक्षा में केंद्रीय विद्यालय नंबर दो एनएचपीसी के इंटर का परीक्षाफल शत-प्रतिशत रहा। पीसीबी ग्रुप में रिया पटेल ने 92.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय टॉप किया जबकि फागपुर की साइंस पीसीएम ग्रुप की वर्तिका चंद ने 89.8 अंक प्राप्त कर द्वितीय और साइंस पीसीएम ग्रुप में टनकपुर के सौरभ श्रीवास्तव ने 89.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया है।

विज्ञान वर्ग में यशवर्धन पाल और तनुज जोशी ने 94.6 अंक प्राप्त कर विद्यालय टाप किया। ईशा चंद ने 90.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय और अनिकेत जैन ने 87.6 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। कामर्स वर्ग में कनक भट्ट 88.2 प्रतिशत अंक के साथ प्रथम, वंदना सिंह 74.4 प्रतिशत अंक द्वितीय और अंजली टम्टा 73.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तीसरे स्थान पर रही।

डॉक्टर बनना चाहती है रिया

केंद्रीय विद्यालय नंबर दो एनएचपीसी में पीसीबी ग्रुप से विद्यालय टाप करने वाली रिया पटेल आगे चलकर मेडिकल क्षेत्र में जाना चाहती है। वह डाक्टर बनकर लोगों की सेवा करना चाहती हैं। रिया पटेल के पिता धीरेन्द्र पटेल टनकपुर पावर स्टेशन में सीनियर मैनेजर हैं और माता मंजुला पटेल गृहणी है। रिया पटेल ने सफलता का श्रेय माता-पिता व गुरुजनों को दिया। विद्यालय की प्रधानाचार्य रंजना बरफाल ने सफल छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

यशवर्धन बैंकिंग क्षेत्र में बनाना चाहते हैं कॅरियर

केंद्रीय विद्यालय नंबर एक सैनिक छावनी में 94.6 अंक प्राप्त कर विद्यालय टाप करने वाले होनहार छात्र यशवर्धन पाल भविष्य में बैंकिग के क्षेत्र को अपना कॅरियर बनाना चाहते हैं। उनके पिता देवेंद्र पाल व्यापारी है और माता इंदू पाल शिक्षिका हैं। वह सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों को देते हैं। इसी विद्यालय से 94.6 अंक प्राप्त करने वाले छात्र तनुज जोशी भविष्य में इंजीनियरिंग के क्षेत्र में कॅरियर बनाना चाहते हैं।

केवि- दो के बच्चों को दी आग से बचाव की जानकारी

बनबसा (चंपावत)। अग्निशमन विभाग ने एनएचपीसी स्थित केवि-दो के बच्चों को आपदा एवं उससे बचाव की जानकारियां दीं। इस मौके पर बच्चों को मौक ड्रिल के जरिए आग पर काबू पाने और आपदा से निपटने के तरीकों को दिखाया। पुलिस अधीक्षक ददन पाल के निर्देश पर पुलिस विभाग के अग्निशमन विभाग की टीम ने एनएचपीसी स्थित केवि-दो के बच्चों को आग एवं अन्य आपदाओं के संबंध में जानकारी दी। आपदा के दौरान बचाव और राहत कार्यों के बारे में बताया। आपदा राहत कार्यों में लोगों द्वारा किस तरह मदद पहुंचाई जा सकती है और बच्चों की भूमिका के संबंध में बताया गया। इस मौके पर अग्निशमन दल के श्याम सिंह रावत, गोविंद राम, चंद्रशेखर, कृष्ण सिंह, राज कुमार, भरत सिंह, मनोज कुमार, उमेश राना के अलावा स्कूल की प्राचार्या रंजना बरफाल, शिक्षक शिक्षिकाएं और बच्चे उपस्थित थे। ब्यूरो

जुलाई 2019

केवि-दो में संस्कृत सप्ताह संपन्न

अमर उजाला — बनबसा केवि टू में संस्कृत सप्ताह के समापन मौके पर जल संरक्षण पर संस्कृत नाटिका प्रस्तुत करते बच्चे। अमर उजाला

25 Aug 19

बनबसा (चंपावत)। एनएचपीसी स्थित केवि-दो में संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया। प्राचार्या रंजना बरफाल और वरिष्ठ शिक्षक ... ने कार्यक्रम का समापन ... दीप प्रज्वलन कर किया। समापन ... संस्कृत सप्ताह के विजेता छात्र-छात्राओं के नामों की घोषणा की गई।

... टनकपुर पावर स्टेशन स्थित केवि-दो में 13 अगस्त से ... संस्कृत सप्ताह का आयोजन हुआ। संस्कृत सप्ताह के दौरान छात्र-छात्राओं ने वंदना, संस्कृत श्लोक पाठ, प्रश्नोत्तरी, निबंध, लेखन, कथा वाचन, समूह गान आदि प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़ कर प्रतिभाग किया। समापन मौके पर बच्चों ने संस्कृत भाषा में जल संरक्षण पर आधारित नाटिका का मंचन किया। श्लोकपाठ में सुमेधा, विनिशा, सुनील, प्रश्नोत्तरी में सत्यम, स्वस्ति, मिथलेश, निबंध में अभिषेक, सत्यम, प्रशंस और प्रतिभा पहले तीन स्थानों पर रहे। कथा वाचन में आस्था, देवांश, प्रतिभा, अरिशा, अमिता एवं अभिषेक विजयी रहे। छात्र-छात्राओं ने शिक्षक श्यामलाल, शिक्षिका कुमकुम मिश्रा और कविता जोशी के दिशा-निर्देशन में विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए। ब्यूरो

केवि- दो के बच्चों ने बनाए आकर्षक माडल

मॉडलों का निरीक्षण करते एनएचपीसी के महाप्रबंधक पवन गुप्ता और अन्य।

बनबसा (चंपावत)। एनएचपीसी स्थित केवि-दो में जवाहर लाल नेहरू विद्यालय स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। शुभारंभ विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष एनएचपीसी के महाप्रबंधक पवन कुमार गुप्ता ने किया। उन्होंने बच्चों के माडलों की सराहना की। (अमर उजाला - 27/8/19)

विज्ञान प्रदर्शनी में बच्चों द्वारा प्रदर्शित मॉडलों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार के लिए चयनित किया। कनिष्ठ वर्ग में सैयद मदनी, मोफस्सिर, गौरव, तनिष्क, उत्कर्ष, रुद्राक्ष और वरिष्ठ वर्ग में पार्श्वी, ओम, अमन, प्रज्ञा, सत्यम, श्रीयांशा, अवनिता प्रथम स्थान पर चयनित हुए। निर्णायक मंडल में शिक्षिका वंदना, एस मजूमदार, केएस रावत, अंकिता थे। एनएचपीसी के मानव संसाधन विभाग के उपमहाप्रबंधक आनंद टैंभरे आदि ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। प्राचार्य रंजना बरफाल ने सभी का आभार जताया। उन्होंने बताया कि चयनित बच्चे अपने मॉडलों के साथ रीजनल रैली में प्रतिभाग करेंगे। ब्यूरो

KENDRIYA VIDYALAYA No.2, NHPC BANBASA

Academic Excellence 2018-19

TOPPERS

CLASS — X

Suyash Gahtori
1st Position (97%)

Yogita Singh
2nd Position(96%)

Vinisha Ratnakar
3rd Position(95.4%)

CLASS — XII Science

Riya Patel
1st Position (92.8%)

CLASS—XII COMMERCE

Deepanshi Sharma
1st Position (83.4%)

Harshit Gupta
1st Position (83.4%)

SCHOOL BOARD RESULT 2019

CLASS:XII

	APPEARED	PASS	PASS%	PI
OVERALL	45	45	100	57
SCIENCE	25	25	100	62.2
COMMERCE	20	20	100	50.5

CLASS:X

APPEARED	PASS	PASS%	PI
27	26	96.3	58.8

TOPPERS: CLASS X

OVERALL TOPPERS:

I	SUYASH GAHTORI	97%
II	YOGITA SINGH	96%
III	VINISHA RATNAKAR	95.4%

SUBJECT WISE HIGHEST MARKS:

ENGLISH	96-Anjali Lekhak
HINDI	100-Suyash Gahtori
MATHEMATICS	99-Suyash Gahtori
SCIENCE	98- Suyash Gahtori
SOCIAL SCIENCE	99-Yogita Singh

TOPPERS : CLASS XII SCIENCE

I RIYA PATEL 92.8%
II VARTIKA CHAND 89.8%
III SAURABH SRIVASTAV 89.4%

TOPPERS : CLASS XII COMMERCE

I DEEPANSHI SHARMA, HARSHIT GUPTA 83.4%
II MOHAMMAD UVAIS 83.2%
III ATUL SINGH 79.8%

SUBJECT WISE HIGHEST MARKS:

ENGLISH	91-DEEPANSHI SHARMA
HINDI	99-RIYA PATEL
MATHEMATICS	92- SAURABH SRIVASTAV
PHYSICS	94- SAURABH SRIVASTAV
CHEMISTRY	95-–RAJAT SINGH BISHT ,RIYA PATEL, SAURABH SRIVASTAV
BIOLOGY	95-RIYA PATEL , VIJAY VERMA
COMPUTER SCIENCE	95 -SAURABH SRIVASTAV
IP	82- HARSHIT GUPTA
PHYSICAL EDUCATION	96 –RAJAT SINGH BISHT
ECONOMICS	95-DEEPANSHI SHARMA
BUSINESS STUDIES	87- HARSHIT GUPTA
ACCOUNTANCY	92-DEEPANSHI SHARMA

हिन्दी

विभाग

जवान और सरहद

बेटा आया मुझसे मिलने को
कुछ पल साथ बिताने को
माँ के हाथ के पकवान खाने
और खिलाने को
अब सरहद ने तुझे बुलाया है
बेटा तुझे दुश्मन को मार गिराना होगा
बेटा तुझे सरहद पर जाना होगा
बेटा प्यारा होता है पापा को
कंधे पर घूमता था
माँ कभी थप्पड़ मारती
तो चाकलेट से मानता था
खिलोने की बंदूक लेकर
दुश्मन को भगाता था
अब सच में दुश्मन को भगाना है
बेटा तुझे सरहद पर जाना है
याद बहुत आओगे होली ओर दिवाली में
तुम बिन रह ना पाउंगी तीज ओर
त्योहारों में
पर ना रोकूंगी तुमको
सरहद के उस बुलावे पर
कहलाना पसंद करूंगी
एक शहीद की बेवा
तुमको कायर कहलाने से
स्वामी दुश्मन को हराना होगा
आपको सरहद पर जाना होगा
पापा नहीं खेलना खेल खिलोनों से
हाथी घोडा बन्दूको से
आज आपको जाना है
कल मेरी बारी है
भारत माँ की लाज बचानी है
दुश्मन को धुल चटाना होगा
पापा आपको सरहद पर जाना होगा |

नाम- कनक सोराड़ी
कक्षा- 11वी विज्ञान

कविता

मैं जगा रहूँगा रात-दिन
चाहे धुप हो या बरसात हो
चाहे तूफ़ान आये या पूस की ठंडी रात हो
मैं खड़ा रहूँगा सरहद पर सीना ताने
चाहे गोलियों की बौछार हो ,
चाहे ना खाने को कुछ भी आहर हो
अपने वतन की खातिर मैं
हर दर्द हँस के श लूँगा
निकले जो खून बदन से मेरे
मैं खुश हो लूँगा
कभी आँखों में रेत भी चली जाये टो
वादा है मेरी पलकें नही झपकेगी
लहू भी जम जाए जो सीने में
मेरे हाथ बंदूक नीचे नहीं रखेंगे
दुश्मन के घर मेरे वतन के चट्टानों का
एक टुकड़ा भी ना जा पायेगा
जमीदोज क्र दूंगा मैं तुमको
जो मेरी धरती की तरफ आँख उठाएगा
कितना भी दुर्गम रास्ता हो
किंचित भी नहीं डरूंगा मैं
चप्पे चप्पे पर रहेगी नजर मेरी
देश के गद्दारों पर अब रहम नही करूँगा मैं

नाम – राशिका
कक्षा – नवम

चलो स्कूल

दिल के सच्चे
नन्हे नन्हे बच्चे
हरे हरे पत्ते
लाल लाल फूल
देर मत करो
जल्दी चलो स्कूल

नाम – पूनम
कक्षा- चार

उस माँ से पूछ

उस माँ से पूछ
जिसने आने कलेजे को देश के नाम किया
जलाती है रोज उसके लिए जीवन का दिया
अपने पति को खोने के बाद
अपने बेटे को दिया
उस माँ से पूछ
जिसने अपने कलेजे को देश के नाम किया
यूँ ट तुमने खूब लडके देखे होंगे काम करने वाले
मैं तो टिप्पणी कर सकती हूँ इस बारे में
माँ टो उसकी अकेली है बिना अपने बेटे
के बिना कुछ जाने बारे में
एक माँ से पूछ
जिसने अपने इकलौते कलेजे को देश के नाम किया
कुछ तो शर्म करो देशवासियों दुसरे देश
में घूमने से अच्छा अपने देश में घुमने की बनाओ इच्छा
उस माँ से पूछ
जिसने अपने कलेजे को देश के नाम किया
देश के नाम किया

नाम – हिमानी

शहीद के बेटे की पुकार

जब एक वीर सैनिक शहीद होता है
मासूम बच्चो के मुंह से यह निकलता है
ओढ के तिरंगा क्यूँ पापा आये है
माँ मेरा मन बात यह समझ ना पाए है
ओढ के तिरंगा क्यों पापा आये है
पहले पापा मुन्ना मुन्ना कहते आते थे
टाफियां खिलौना भी साथ में लाते थे
हाथ फेर सिर पर प्यार भी जताते थे
पर ना जाने क्यूँ आज वो चुप हो गये
लगता है बहुत गहरी नींद सो गये
नींद से पापा उठो मुन्ना बुलाये है
ओढ के तिरंगा क्यूँ पापा आये है
फौजी अंकल की भीड़ घर क्यूँ आई है
पापा का सामान साथ क्यूँ लाई है
साथ में क्यूँ लाई है वह मेडलों का हार?
आँख में आंसू सबके क्यूँ आते बार बार
पापा ये दादा कह रहे है तुमको जलाऊं मैं
इस आग में समा के साथ छोड़ जाओगे
आँखों में आंसू होंगे बहुत तुम याद आओगे
अब पापा समझे माँ ने क्यों आंसू बहाए थे
ओढ के तिरंगा क्यों पापा आये थे

नाम – तनिष्का चंद
कक्षा – आठ

आर्मी के लिए शायरी

1. दूध और खीर की बात करते हो
हम तुम्हे कुछ भी नही देंगे
कश्मीर की तरफ नजर भी उठाई
तो लाहौर भी चीन लेंगे

2. फौजी की मौत पर परिवार को दुःख कम
और गर्व ज्यादा होता है
ऐसे सपूतो को जन्म दे कर माँ की कोख
भी धन्य हो जाती है

3. जिसकी वजह से पूरा
हिंदुस्तान चैन से सोता है
कड़ी ठंड,गर्मी और बरसात में
अपना धैर्य न खोता है

4. मेरे जज्बातों से मेरी कलम इस
कदर वाकिफ हो जाती है
मैं इश्क भी लिखना चाहूँ तो इन्कलाब लिखा जाता है

5. मरने के बाद भी जिसके नाम में जान है
ऐसे जांबाज सैनिक हमारे भारत की शान है

जय हिन्द जय भारत

नाम – योगेश सोनल
कक्षा- नवम

कविता

हम भारत के वासी भारत हमारा देश
जन जन में देना है हम को उपदेश
जिस माँ ने हमको जन्म दिया है
हमको उसका कर्ज चुकाना है
कश्मीर हमारा अंग है
दुश्मनों से हमें बचाना है
सरहद पर जb दुश्मनों ने खेली होली
तब माँ के लालने चलायी गोली
रात रात भर माँ का पहरा करके
दुश्मनों को बचाते है
वही लाल माँ के सैनिक कहलाते है
जो लाल दुश्मन को मार गिराते है
अपने देश की खातिर जान लुटाता है
सुनहरे सपनों को उन शहीदों ने
सुनहरा बनाया है
मार गिराओ उन लुटेरों को
जिन्होंने हिंदुस्तान को लूटा है
जय हो उन वीरो की जिन्होंने
इस देश को लुटेरों से बचाया है
जय हो उन वीरों की, जय हो

नाम- रिया चंद
कक्षा – नवम

देश के सैनिकों को मेरा सलाम

नमस्कार ,

ये कविता समर्पित है देश की रक्षा में
सरहद पर खड़े उन सैनिकों को जो अपनी के
नाम अपना सारा जीवन लिख देते है तो आइये
पढ़ते है सैनिक पर कविता –
सरहद पर खड़े रखवालों को
इस देश के पहरेदारों को
दिल से मेरा सलाम है
दिल से मेरा सलाम है
ये देश चैन से सोता है
वह पहरे पर जब होता है
जो आंख उठाता है दुश्मन
तो अपनी जान वो खोता है
उनकी वजह से आज सुरक्षित
ये सारा आवाम है
दिल से मेरा सलाम है
दिल से मेरा सलाम है
काम नही आसान है ये
दिल पत्थर करना पड़ता है
देश या फिर घर बार में से
किसी एक को चुनना पड़ता है
तब जाकर मिलती है कहीं
देश को ये आराम कि जिंदगी
दिल से मेरा सलाम है
दिल से मेरा सलाम है
देश सेवा ही धर्म है उनका
हथियार ही बस उपदेश है
भारत माता की जय हो
सदा करते यह उद्घोष हैं
अपने पैरोंपर खड़े हैं हम
नहीं किसी का गुलाम है
दिल से मेरा सलाम है
दिल से मेरा सलाम है

अगला जन्म मैं जब भी पाऊं
इसी धरा का मैं हो जाऊं
दिल में भारत माता हो
गीत उसी का सदा मैं गाऊं
हर सैनिक के दिल में सदा
रहता यही अरमान है
दिल से मेरा सलाम है
दिल से मेरा सलाम है

नाम – अरीशा सिद्दीकी
कक्षा – नवम

वीर जवानों की गाथायें

वीर जवानों की गाथायें, तुमको आज सुनाता हूँ
तूफानों में डटे रहें जो, उनको शीश झुकाता हूँ
कर्मपथ के वो अनुरागी, मैं तो उनका दास हूँ
उनकी ही आजादी में, लेता खुलकर सांस हूँ
भारत माँ के प्रणय हेतु, करता मैं अहसास हूँ
गाकर गाथा उन वीरों की मन से मैं मुस्काता हूँ
वीर जवानों की गाथायें, तुमको आज सुनाता हूँ

नाम- विष्णु कुमार
कक्षा- नवम

पत्र

मेरे प्रिय सैनिकों,

मुझे ख़ुशी हो रही है कि मैं आप लोगों के लिए यह पत्र लिख रही हूँ सबसे पहले मैं आपको सहृदय धन्यवाद देना चाहूंगी क्योंकि आप अपने/हमारे देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर देते हैं| आज हम सब आपकी वजह से ही तो अपने घरों में सुरक्षित रहते हैं वरना हम तो कब का मृत्यु के मुंह में चले जाते| आप हम सब के लिए अपनी जननी/माँ और पापा से दूर रहते है| आपने अपनी माँ की हालत देखी है जब आप जाते होंगे तो आपने महसूस नही किया कि आपकी माँ कितना रोती है आप जब बॉर्डर पर शहीद होते है तो आपका परिवार पूरी तरह से टूट जाता है अगर मेरी बातों ने आपको ठेस पहुँचाई हो तो मुझे माफ़ करना मैं आपकी बहन तो नहीं पर भाई कहने का हक दोगे ना भाई |

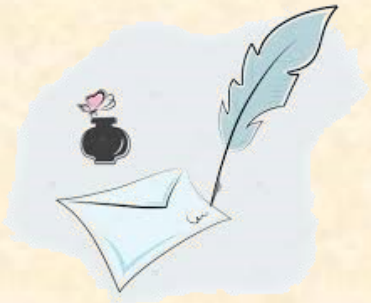

नाम – कनिष्का राणा
कक्षा – आठ

योग एवं स्वास्थ्य

योग शब्द से हम भली भांति परिचित है ,आधुनिक जीवन शैली और इसके नुकसान को हम विभिन्न साधनों के माध्यम से प्रतिदिन सुन रहे है उदाहरण के रूप में विभिन्न आयु वर्ग के लोग किसी न किसी रोग से पीड़ित होते जा रहे है –शुगर(मधुमेह),उच्च व निम्न रक्तचाप(ब्लड प्रेशर),कमर दर्द,सर्वाइकल स्पोंडलाइटिस,जोड़ों के दर्द ,गठिया आदि रोग से हर कोई पीड़ित है तो वहीं डिप्रेशन , अनिद्रा , तनाव , अवसाद जैसी सूक्ष्म बीमारियाँ भी आज जानलेवा साबित हो रही है ,ऐसी स्थिति में निवारण के रूप में हमें डॉक्टर व् अन्य सम्बन्धित विशेषज्ञ योग को जीवन शैली का अंग बनाने की सलाह देते है | योग के अंतर्गत समावेशित सूक्ष्म व्यायाम हो या मांसपेशियों को मजबूती प्रदान करने वाले आसन प्रत्येक शारीर को चुस्त-दुरुस्त बनाते है | वर्तमान में पूरे विश्व ने योग के महत्व को समझ कर एवं योग को जीवन में अपना कर लाभान्वित हो रहे है | प्रत्येक वर्ष 21 जून को विश्व के 170 से अधिक देश अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन व्यापक स्तर पर करते है|

योग के विषय में अधिकांश लोग समझते है कि योग रोगों का उपचार करने की मात्र एक विधा है| योग मात्र एक चिकित्सा पद्धति नहीं है अपितु योग जीवन जीने की श्रेष्ठतम कला है जिसके द्वारा मानसिक ,शारीरिक ,आध्यात्मिक एवं सामाजिक लाभ प्राप्त किया जा सकता है | योग के द्वारा हम अपनी भावनाओं पर नियंत्रण करना सीखते है एवं दिन प्रतिदिन जीवन में आने वाली बाधाओं को विचलित हुए बिना पार करने की शक्ति को प्राप्त कर लेते है| योग हमारी संस्कृति की प्राचीन ऐतिहासिक धरोहर है जिसे हमारे पूर्वजों व् ऋषि मुनियों ने प्रदत्त किया | योग से एकत्व का मार्ग प्रशस्त होता है जिससे आत्मिक शांति की प्राप्ति होती है |

योग के द्वारा हम अपने शरीर,मन एवं आत्मा को नियंत्रित करते है| चूँकि प्रसन्न मन के द्वारा किया जाने वाला प्रत्येक कार्य सफलतापूर्वक किया जा सकता है अतः योग हमें भीतर से शांत व बाहरी रूप से दृढ़ बनाता है | योग से स्वास्थ्य लाभ का उल्लेख करें तो यह देखेंगे कि योग विद्यार्थियों के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है| वर्तमान समय विद्यार्थियों के लिए अत्यधिक संघर्षपूर्ण है | प्रतियोगी परीक्षाओं में भागीदारी हो अथवा अन्य क्रियाकलाप श्रेष्ठ बनने की इच्छा विद्यार्थियों के मन मस्तिष्क पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है|

विद्यालय में योग की गतिविधियाँ –

सूर्य नमस्कार –सूर्य नमस्कार एक पूर्ण व्यायाम है इससे सम्पूर्ण अंग प्रत्यंग बलीष्ठ एवं निरोगी होते है| मेरुदंड लचीला होता हैं| संपूर्ण शरीर में रक्त संचरण सुचारू रूप से कार्य करता है|

विभिन्न प्रकार के आसन – विभिन्न आसनों का अभ्यास करने से शरीर के समस्त जोड़ ,

रोग प्रतिरोधक तंत्र मजबूत होता है | शरीर के बाह्य अंगो व आंतरिक अंगो को समान रूप से बल मिलता है

प्राणायाम- मानसिक एकाग्रता बढ़ती है|

आसन – ताड़ासन,वृक्षासन ,हलासन,सर्वांगासन ,मंडूकआसन ,चक्रासन ,नौकासन.

प्राणायाम-भस्त्रिका,कपालभाति,अनुलम विलोम , नाडी शोधन,सूर्यभेदी आदि |

नेहा कापड़ी

योग प्रशिक्षिका

कविता

प्यारा प्यारा मेरा देश
सजा सजाया मेरा देश
दुनिया जिस पर गर्व करें
नया निराला मेरा देश
सफल सलोना मेरा देश

नाम- भावेश

कक्षा – चार

पेड़ लगाओ

पेड़ लगाओ, पेड़ लगाओ
हरा भरा जीवन बनाओ
छाया ये हमको देते है
फल ये हमको देते है
बाढ़ से हमको बचाते है
प्रदूषण दूर हटाते है
हम भी पेड़ लगायेंगे
प्रदूषण दूर हटायेंगे

नाम- शानवी महर

कक्षा – तीन

पप्पू की अंग्रेजी

एक बार एक स्कूल में एक अंग्रेजी का टीचर था और एक स्टूडेंट था पप्पू | एक बार पप्पू पूछता है कि 'नटूरे' का क्या अर्थ होता है? टीचर यह शब्द सुनते ही शोक में डूब गया कि 'नटूरे' क्या होता है? उस वक्त तो टीचर ने बात टाल दी | घर जाकर तो टीचर नेट , डिक्सनरी तथा कई किताबों में खोजा पर 'नटूरे' शब्द कहीं नहीं मिला तो अगले दिन फिर पप्पू ने टीचर से पूछा पर टीचर ने बात टाल दी | ऐसा कई दिन तक हुआ तो टीचर ने पूछा कि 'नटूरे' की स्पेलिंग तो सुना | पप्पू बोलता है NATURE तो टीचर चक्कर खा कर गिर जाता है क्यूंकि 'नटूरे' नहीं होता है 'नेचर' होता है | होश में आने पर टीचर पप्पू से बोलते हैं मैं तुम्हें स्कूल से निकाल दूंगा | पप्पू रोते हुए बोलता है ऐसा मत करना वरना मेरे 'फुटूरे' खराब हो जायेगा |

नटूरे = NATURE

फुटूरे = FUTURE

वाह पप्पू वाह तेरी अंग्रेजी को क्या कहूँ

कविता

घडी बजाती ताली है| समय बताने वाली है|
देर से जागना गाली है| रोज सवेरे जल्दी जागो|
सुबह उठकर शौच को जाओ मुंह धो कर थोड़ासा खाओ |
पढ़ो लिखो पाठशाला जाओ | बस अब आने वाली है |
घडी की जो पाबंदी करते मुंह पे रहती लाली है |
घडी बजाती ताली है | समय बताने वाली है |

नाम- आस्था
कक्षा– तीन

मेरा भारत

भारत देश प्यारा देश
सब देशों से न्यारा देश
हिन्दू मुस्लिम भाई भाई
मिलकर रहते सिख ईसाई
इसकी धरती उगले सोना
ऊँचा हिमगिरि बड़ा सलोना
सागर धोता इसके पाँव
है इसके अलबेले गाँव

नाम – लक्ष्मी शुक्ला
कक्षा- तीन

कविता

कुटिया से महलों तक आओ
कुटिया से महलों तक आओ
आज तिरंगे को फहराओ
आज तिरंगे के नीचे राष्ट्रगान
हम मिल जुल कर गायें
बापू नेहरु के सपनों को आओ
हम पूरा कर आये
आज ना आये आजादी पर आज
तिरंगे को फहराओ
कुटियों से महलों तक आओ
आज तिरंगे को फहराओ

नाम – निधि तिवारी
कक्षा – तीन

मूर्ख कबूतर

एक बार एक भूखा बाज कबूतरों के झुंड पर झपटा | कबूतरों का झुण्ड हमेशा उसकी पकड़ से बच निकलता था | सारे कबूतर उस बाज से भयभीत रहते थे और उसके आक्रमण से बचने के लिए सतर्क रहते थे | बाज काफी दिनों से उन पर नजरे गडाए थे | उसने एक योजना बनाई और कबूतरों के पास जा कर बोला, "इस तरह से डर-डर कर जीने से क्या लाभ ? इससे अच्छा तो यही है कि तुम लोग मुझे अपना राजा बना दो ताकि मैं हर तरह के संकट से तुम लोगों की रक्षा कर सकूँ" | कबूतरों को यह बात पसंद आई | उन्हें लगा कि बाज उनकी भलाई चाहता है| उन्होंने बाज को अपना राजा बना दिया| राजा बनते ही बाज ने एक-एक करके सारे कबूतरों को खाना शुरू कर दिया |

कुछ उपाय संकटों से भी बुरे होते हैं|

चुटकुले

पापा – बेटा तेरी मम्मी आज इतनी चुप क्यों बैठी है?

बेटा – मेरी गलती से पापा |

पापा- नालायक ऐसा तूने क्या कर दिया ?

बेटा – पापा मम्मी न्र लिपस्टिक मांगी थी मैंने फेविस्टिक दे दी |

पत्नी – सुनो जाते हुए जरा किचन से नमक लेते आना

पति किचन से – यहाँ तो कोई नमक नहीं है

पत्नी- मुझे पहले ही पता था कि तुम्हें नमक नहीं मिलेगा ,बस बहाने बनाते रहते हो इसलिए मैं पहले ही ले आई थी |

टीचर ने परीक्षा में चार पेज का निबन्ध लिखने को दिया विषय था 'आलस्य क्या है' ?

एक छात्र ने तीन को खाली छोड़ दिया और चौथे पर लिखा 'यही आलस्य है' |

एक आदमी दुकानदार पर चिल्लाया – इस तेल के साथ मिलने वाला मेरा गिफ्ट कहाँ हैं ?

दुकानदार – इसके साथ कुछ भी फ्री नहीं है

आदमी – तुम मुझे बुद्धू बना रहे हो ,देखो पैकेट पर लिखा है कोलेस्ट्रोल फ्री |

टीचर – ताजमहल दूर या चाँद?

मोनू – ताजमहल

टीचर – क्यूँ

मोनू – मेरे छत से चाँद दिखता है पर ताजमहल नहीं |

टीचर –तुमने कहाँ तक पढाई की है ?

अनुज –मेरे पास LLPP की डिग्री है

टीचर – मतलब

अनुज- लटक लटक के पांचवीं पास |

निधि तिवारी

कक्षा 4

कौआ और लोमड़ी

एक बार एक कौए को एक रोटी मिली |लोमड़ी ने सोचा क्यों न मैं इस कौए को मूर्ख बना कर रोटी ले लूँ लोमड़ी बोली- कौए भाई तुम इतना अच्छा गाते हो | मुझे भी एक गाना सुनाओ, कौए ने जैसे ही गाने के लिए मुंह खोला,रोटी नीचे गिर गयी लोमड़ी रोटी लेकर चली गयी |

नाम – देवांश

कक्षा – तीन

माँ

किसी ने माँ के कंधे पर सिर रख के पूछा
'माँ कब तक अपने कंधे पर सोने दोगी' ?
माँ ने कहा जब तक लोग मुझे अपने कंधे पर न उठा लें |

नाम- सोनम

कक्षा–पाँच

पानी

फ्री पानी है दे दो पानी
नहाना है दे दो पानी
चिड़िया भी पीती पानी
पौधे भी मांगे पानी |
मछली तड़पे बिन पानी
हम भी रहे ना बिन पानी
कुएं में पानी नदी में पानी
सागर में है पानी ही पानी
फिर भी कम पड़ता है पानी
बूँद-बूँद से बचता है पानी
सीखो बच्चों तुम यह सीख
नल को कभी खुला न छोड़ो
खुला देख बंद करने दौड़ो

नाम – जेनित कुमार

कक्षा – पाँच

सीख

एक बार की बात है श्री गुरु नानक देव जी अपने शिष्यों बाला और मरदाना के साथ घूमते हुए जा रहे थे। एक गाँव से गुज़रते हुए उनको वहां रात गुजारनी पड़ी। वहां उनको पता चला कि गाँव में एक बहुत धनवान सेठ रहता है जो किसी भी गरीब की मदद नहीं करता। गुरु नानक देव जी ने उस सेठ से मिलने की इच्छा जताई। सुबह होने पर गाँव वासी गुरु नानक देव जी को उस सेठ से मिलाने ले गए। सेठ से मिलने पर गुरु नानक देव जी ने सेठ से हाल चाल पूछने के बाद उसको एक सुई देते हुए कहा कि "सेठ जी ये सुई रख लीजिये, जब हमारी भेंट स्वर्ग में हो तब आप मुझे ये सुई वापस कर देना"। सेठ हँसते हुए श्री गुरु नानक देव जी से कहने लगा, आप भी कैसी बातें करते हैं मैं ये सुई भला स्वर्ग में कैसे ले जा सकता हूँ। इस पर गुरु नानक देव जी ने सेठ से कहा, जब आप एक सुई स्वर्ग में नहीं ले जा सकते तब इतना धन आप स्वर्ग में कैसे ले जायेंगे।

ये सुनकर सेठ की आँखें खुल गयीं। उसने उसी समय श्री गुरु नानक देव जी से वादा किया कि अब वो आवश्यकता से अधिक धन का संचय नहीं करेगा और हर ज़रूरतमंद की मदद करेगा।

शिक्षा:- इस कहानी से हमें ये शिक्षा मिलती है की हमें आवश्यकता से अधिक धन संचय नहीं करना चाहिए। क्योंकि इश्वर के पास हमारा धन नहीं बल्कि हमारे द्वारा किये गए अच्छे कर्म हमारे काम आएंगे।

- हया फातिमा

कक्षा—II

स्काउट्स-गाइड्स वार्षिक प्रतिवेदन सत्र २०१८-१९

स्काउट्स-गाइड्स विभाग के अंतर्गत सभी गतिविधियाँ के.वि.एस. के कैलेण्डर के अनुसार संपादित की गयी। विद्यालय से 08 स्काउट्स और 03 गाइड्स ने राज्य पुरस्कार परीक्षा में सफ़लता प्राप्त की ।तृतीय सोपान परीक्षा में भी विद्यालय के छात्रों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। विद्यालय के 06 स्काउट्स और 06 गाइड्स ने सफलता प्राप्त की। विद्यालय में आयोजित सभी कार्यक्रमों में स्काउट्स-गाइड्स छात्र – छात्राओं का सहयोग अनुकरणीय रहा।

सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी प्रतिवेदन सत्र २०१८-१९

विद्यालय से संभाग स्तरीय सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी देहरादून में समूह गान,एकल गान ,मौके पर चित्रकला और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में छात्र – छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में सत्यम चंद ओर अन्विता चौहान को चतुर्थ स्थान प्राप्त हुआ। अन्य प्रतियोगताओं में छात्र – छात्राओं का प्रयास सराहनीय रहा।

GLIMPSES OF THE VIDYALAYA

GLIMPSES OF THE VIDYALAYA

COMMUNITY
LUNCH
31.01.19

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

KENDRIYA

ENGLISH SECTION

SCIENCE SCIENTISTS

Science is the study of the world around us.
Scientists learn about them and describe them.
Some of the famous Indian scientists are …….

C.V.Raman
Homi J.Bhabha
Visvsevaraya
V. Radhakrishna
Chandrashekar
Satyendra Bose
APJ Abdul Kalam
Meghand Saha
S.Ramanujan
Jagdish Chandra Bose
Vikram Sarabhai
Salim Ali
Har Gobind Khorana
Birbal Sahani

ANISHA CHAUHAN
CLASS VIII

KNOW YOURSELF {ANISHA}

A friend in need is a friend indeed ….
Nothing can stop dreams….
Impossible means I'm possible….
Slow and steady wins the race ….
Honesty is the best policy …
Always speak the truth …….

ANISHA CHAUHAN
CLASS VIII

Interesting science questions...

Q1. Which part of human eye is transplanted from a dead donor to a living person?
Ans. Cornea
Q2. Which animal can digest a steel nail?
Ans. Crocodile
Q3. Which mountain changes its colour every day?
Ans. Ayers rock or Uluru rock
Q4. Which animals give both milk and egg?
Ans. Platypus
Q5. Which flower blossoms once in 12 years?
Ans. Neelakurinji
Q6. Which animal have blue blood?
Ans. Octopus
Q7. Which is the animal that never dies?
Ans. Turritopsis nutricula (jellyfish)

Yogita Singh

Class X

Mother and Daughter

It is a special bond that
Spans the years .through
Laughter, worry, smiles and
Tears, a sense of trust
That can't be broken, a depth of
Love sometimes unspoken
A lifelong friendship builds
On sharing, hugs and
Kisses, warmth and caring,
Mother and daughter their
Hearts as one –A link that
Can never be undone.

PRIYA PAL
Class IX

WHAT FRIENDSHIP MEAN

F= Faithfull
R= Reliable
I= Interested
E= Empathetic
N= Nourishing
D= Deserving
S= Sharing
H= Hopeful
I= Inspirational
P = Patient

Yogita singh
Class X

Little birds

I have some little birds
They all like me
They flow at morning
And come at night
Then at night
When they come
They all play with me
Then we all sleep well

Bhawika
Class V A

10 HIGHEST MOUNTAINS OF THE WORLD

Mt.Everest – 8850m/29,029ft Nepal
MT.K2 – 8611m/28,251ft Pakistan
MT. Kanchenjunga – 8586m/28,169ft India
MT. Shotse -8516m/27,940ft Nepal
MT.Makalu -8481m/27,825ft Nepal
Mt.Cho Oyu -8201m/26,906ft Nepal
MT.Dhaulagiri -8167m/26795ft Nepal
MT. Manaslu -8163m/26763ft Nepal
Vanga Parbat -8126m/26660ft Pakistan
MT. Annapurna -8091m/26,545ft Nepal

Suyash Gahtori
Class XI A

YELLOW CHICKS

Yellow chicks, the baby things,
Bits of fluff and feather,
Underneath their mother's wings.
Cuddled up together!
Never mind the wind and rain,
Cold and any other,
Everything is bright again,
Cuddled up to mother!

Aarush Pushkar

Class II

MY DREAMLAND

I love my dreamland
Away from the reality,
The land with full of peace.
No tears, no anger and no worries.
The pretty heaven adorned with trees.
Away from my mistakes,
A place where I am happy,
A place where nothing is shabby
And all the misery bends on the knees.
I love my dreamland,
The land with full of peace

Anwita Chauhan
Class -x

GOLDEN WORDS

Before you speak – Listen
Before you write –Think
Before you pray – Forgive
Before you criticize – Wait
Before you quit – Try
Before you take – Give
Before you spend – Earn
Before you die- Live your life

NAME-Anwita chauhan
Class - X

THE THIRSTY CROW

One hot day a crow was very thirsty, he searched for water everywhere, but there was not water anywhere. All the lake and ponds were dry. At last, he saw a pot under a tree. But it had very little water on it. He tried hard but could not reach the water as the level of water was very low. He suddenly had a good idea. He picked up pebbles and dropped them into the pot one by one. The level of water came up. The crow drank the water and flew away.

MORAL: Think and work hard, you may find solution of any problem.

Name- Vansh Tamta
Class-V –A

LIST OF CABINET MINISTERS 2019

Minister of Defence – Rajnath Singh
Minister of Home Affairs – Amit Shah
Minister of Road Transport and Highways -Nitin Jairam Gadkari
Minister of Micro, Small and Medium Enterprises-
Minister of Chemical and Fertilisers – Shri D.V.Sadananda Gowda
Minister of finance and corporate affairs – Nirmala Sitaraman
Minster of consumer affairs ,food and public distribution – Ramvilas Paswan
Minster of law and justice, Mister of communication ,Minster of electronics and information technology – Ravi Shankar Parshad
Minster of womens and child development ,minster of textiles – Smriti Zubin Irani

NAME—Suyush Gahtori , X

I come running

I come running
At your smallest call
But if I need you
You don't come at all
I forget sleep too
Make sure you're okay
But you won't make time
For me any day
We talk when you want,
Then I'm ignored
I'm left wandering

NAME- ANUSHKA JOSHI
CLASS –V

SAVE GIRL CHILD

Let me live
Let me bloom
Let me shine like beautiful moon
Let me come and see this world
Let me fly like beautiful bird
Don't be so cruel or selfish
Let me swim like colourful fish
Listen my cry
Listen my scream
Let me fulfill my wishes and dream
Let me see this beautiful earth.
Please don't kill me before my birth.

NAME-BHUMIKA JOSHI
CLASS -VI

SOME FACTS ABOUT SUN

The sun accounts for 99.86 %of the mass in the solar system. It has a mass of around 330000times that of earth.

The surface area of the sun is 11990 times that of earth. Over one million earths' can adjust inside the sun.

The sun will continue to born for about 130million years after it born through all of its hydrogen, instead burning helium. During this time it will expand to such a size that it will engulf mercury, Venus and earth.

The sun is travelling at the speed of 220 km per second. It is around 24000-26000 light years from the galactic centre. The sun rotates in the opposite direction to earth. The sun rotates from west to east but earth rotates from east to west.

NAME-MOFFASIR ANSARI

CLASS-VII

WHY WE SAY "YES"

We agree to many requests not because we want to do them, but because we don't want to be seen as rude, arrogant or unhelpful. Often you have to consider saying no to someone you will interact with again in the future –your co-workers, your spouse, your family and friends. Saying no to these people can be particularly difficult because we like them and want to support them. Collaborating with others is an important element of life. The thought of straining the relationships outweighs the commitment of our time and energy.

For this reason, it can be gracious in your response. Do whatever favours you can, and be warming hearted and direct when you have to say no.

Name – SAKSHI BISHT
Class-X

AIM OF SCHOOL STUDENTS

Some come to school, only for a walk
Some come to school, only to talk
Some come to school, only for a test
Some come to school, only for rest
Some come to school, only for attendance
Some come to school, to create disturbance
Some come to school, only to play
Some come to school, only to share their views
But a good student comes to school, only to seek knowledge.

NAME-HIMANI
CLASS-IX

WHAT MAHATMA GANDHI MEANS TO ME

M – Man of learning
A – Admired by one and all
H – Humbly save the poor
A – Active, he was till the end
T – Truth for which he always stand
M – Made us independent
A – Avoided personal comforts
G – Great in all aspects
A – Ahimsa, his way of life
N – Noble, was his thoughts
D – Devoted his life to the nation
H – Honesty was his policy
I – Indian, he was in all aspects

NAME – HIMANI

CLASS - IX

National Children Science Congress (NCSC) 2018-2019

Regional Level NCSC 2018-2019 was held at K.V. IMA Dehradun on 25th and 26th September 2018. Eight students participated in the regional level and presented 4 projects in group of two students. The project selected in junior group national level KVS NCSC was "Forgotten food of Uttarakhand and its ecological effects" done by Satyam Chand (Class 8th) and Rahul Verma (class 9th). The project selected in senior group National level KVS NCSC was "Biogas" done by Harshwardhan Singh Rawat(Class 10th) and Suyash Gahtori(Class 10th) . These project were among 17 selected projects from Dehradun region to represent in National Level NCSC 2018-2019.

SCIENCE

S – SUCCESS
C – COMES
I – IN
E – EVERY
N – NATURAL
C –COMPOUND
E –EASILY

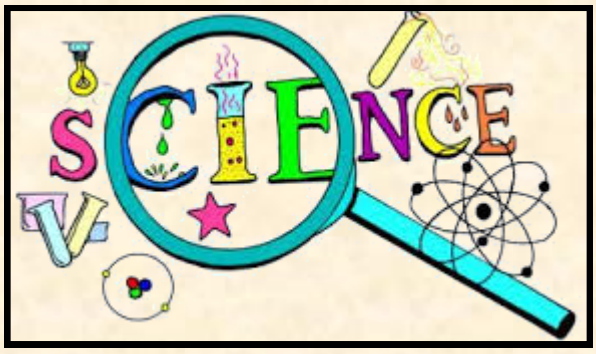

THE WORD "SCIENCE" probably brings to mind many different pictures a fat textbook, white lab coat and microscope.

Science is exciting.
Science is useful.
Science is ongoing.

NAME – HIMANI
CLASS - IX

ALPHABETICAL QUIZ

1. WHICH ALPHABET IS A DRINK?
ANS: T (TEA).
2. WHICH ALPHABET IS A VEGETABLE?
ANS: P (PEA).
3. WHICH ALPHABET IS A BODY OF WATER?
ANS: C (SEA).
4: WHICH ALPHABET IS A PART OF BODY?
ANS: I (EYE).
5: WHICH ALPHABET IS A BIRD?
ANS: J (JAY).
6: WHICH TWO ALPHABETS MEANS A COMPOSITION OF WORK?
ANS: SA (ESSAY).

NAME- ASTHA CHAND
CLASS- VIII

INFLUENCE OF SOCIAL MEDIA

Social media has a great influence in today's youth. Everyone is always busy in social networking sites that include Facebook, Twitter, Snapchat, and Instagram. Social media has both positive and negative impacts on the youth. If we see positively, social media has reduced the world to a global village .We can interact with people from any part of the world. Due to this, youth can share ideas information and opportunities. Social media allows making new friends and maintaining old friends. In addition, youth can earn money by making blogs and videos. So, social media serves as a platform to showcase their talents.

Too much social media also leads to addiction. It creates loneliness in life. People sitting with each other usually don't talk with each other. They just look at their mobile phones. Youths are spending more and more time with their friends on social media than with their families. When they wake up, firstly they check messages on their phones. Also, before they go to sleep, they check the latest updates. In today's world, being update on social media is most important than anything else. Some people also make fake account on social media, just for show. Through social media, attempting crime has also become easy. They got information of the target easily on the social media. Being on social media, people follow trends and to follow trends, they can do anything. Even they are ready to do illegal things. So it is in our hands to use this platform in the positive way. We should implement it as advantage, not as addiction.

Thus social media can play a great role for success of each individual. All the things are in our hands.

NAME-ADITI BHADORIA
CLASS-XI (SCI)

LIFE

Earlier there were problems in life,
Today we search life in problems.
Earlier we had time to work,
Today we try to get time from work.
Earlier, distant friends and relatives meetings were constant,
Today all friends and relatives have become distant.
Earlier people shared joys and sorrows with eager,
Today they share post on Whatsapp, Facebok and Twitter.
Earlier youngsters respected elders always,
Today they need to wait for special days.
Earlier birthdays and marriage made up proud,
Today they are solitary events with no crowd.
Earlier journey of life was very easy,
Today contended life is rare, as all are busy.
Life has become metro with full speed,
We fail to connect with the people we need.
Still we lead life like duty in shift,
Because it is God's precious gift…….

NAME-SHRADDHA
CLASS-VIII 'A

SISTER

A piece of my heart
A pillar of the family
A portion of my life
Literally, a slice of me
Not just a sister
My BFF, my beastie
To whom I can share my all secrets
She is the one who sort out all my problems.
Like a beacon of light she is always there for me,
And she'll be there for all my tomorrows.

NAME- PRIYANKA
CLASS – IX

MY CLASS VII

Friends of class VII are funny
It cannot be compared with money
The naughtiest are the boys
That's why in class we enjoy
Girls are always in silence
But ways are always violent.
I begin with Akshit and Gourav
They are tube light which are fused
And always remains confused.
I like Shraddha, Swarnima, Sumedha and Deeksha for a reason
They are happy in every season.
Madhava and Rohit are yoga boys
While Aman is not always lies
Hritika and Varsha mostly sit together
Swearing to be friends forever
Aviral, Rishab, Surendra are always calm
Yatharth and Madni are naughty but warm blooded.
Raj thinks he is always right
Teachers know him as a child who is bright.
And Aryan is tall as a street light.
Shivam and Nitesh are the new admission.
They enjoyed the mid session
Riya is a girl liked by everybody
But god knows why she don´t study
I don't know much about one
As she is absent daily and her name is Divya
Yagya and Eshika are quiet.
You never get much chance to hear their voice
Apoorva, Anushka and Chhavi are really cute
Himanshu, Yug, Yogesh are always mute

Himanshu Verma and Vivek show their anger
But Sriyansh and Devansh never lose their temper
As she is absent daily and her name is Divya
Yagya and Eshika are quiet.
You never get much chance to hear their voice
Apoorva, Anushka and Chhavi are really cute
Himanshu, yug, yogesh are always mute
Himanshu Verma and Vivek show their anger
But Sriyansh and Devansh never lose their temper
The studeous student's our class are
Naina, Mansha and Suhani
They mostly study but in result
Ayush, Madhava and Sandhya are no. 1
While Sonali and Neha does always fun
Kaif and Sarthak fulfill their duty
But laughs a lot.
Just see their luck they are never caught
Shristi is always in tension
She fear of her mother and teacher
I most mention.
If you want to learn something from us
Ah! What to say about our class VII rush.

NAME- ASTHA CHAND
CLASS-VII

BLESSINGS OF SCIENCE

Science is the greatest servant of man today. It is the Aladdin lamp and it hides jinn that does everything for the master. Whatever you say to the jinn of science to do, it can do it at once and without delay.

We are living in the age of science. Without science we would have none of modern comfort and luxuries. In winters we have heaters and in summers we have coolers, refrigerators.travel has ceased to by any cause of concern now days now you can cover thousands of miles by trains, car or aeroplanes and reach your destination fresh and fine on the same day. You can travel from one corner of the word to the other in safety and complete comfort

……..

NAME- Shraddha
Class – VII

Some interesting facts

Women heart beat is faster than men.
The acid in your stomach is strong enough to dissolve razor blades
You use 200 muscles to take one step.
Your teeth start growing 6 months before you are born.
There are more than 1000 chemicals in a single cup of coffee; out of these only 26 have been tested.
You can survive without eating for weeks, but you can only live 11 days without sleeping.
Zebra are actually black with white stripes.
Bottle water contains more bacteria than tap water.
Vietnamese currency consists only of paper money, no coins
The common bread ingredient L- crysteine is derived from human hair

NAME-TANISHKA CHAND
CLASS- IX

GLIMPSES OF THE VIDYALAYA

KEEP CALM
GO GREEN

Quami Ekta Week

केन्द्रीय विद्यालय न. – 2

अभिनन्दन
WELCOME
KENDRIYA VIDYALAYA

संस्कृत विभाग

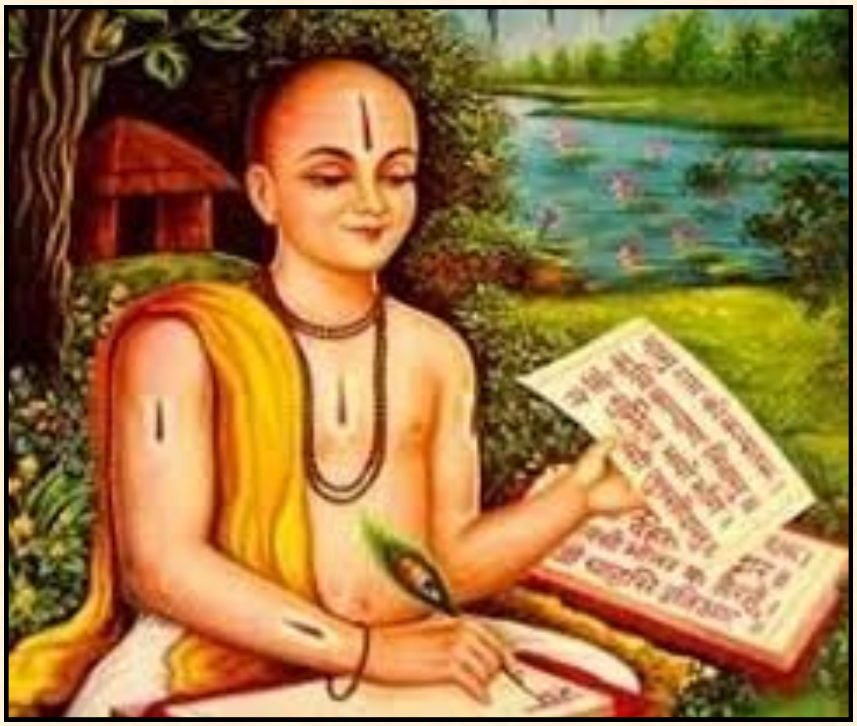

सूक्तस्य उत्पत्ति स्थानानि

शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्||कुमार||5/33||

उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत: ||कठ.||1/3/14||

उपकारफलं मित्रमपकरोऽरिलक्षणम्||वा.रा.||4/1/122||

अलंकारो हि नारीणां क्षमा तु पुरुषस्य वा || वा.रा.||

अहिंसा परमो धर्म: ||महा. अनु.||116/38||

अहं ब्रह्मास्मि ||वृहद्||1/4/10||

आचार: परमो धर्म: ||मनु.||1/108||

असतो मा सद् गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय ||वृहद्||

क्षमा च परमं बलम्||महा. वन.||

नास्ति पुत्रसमं प्रिय: ||वा.रा.||2/74/24||

नास्ति मातृसमं गुरु: ||महा. अनु.||106/65||

नास्ति विद्यासमं चक्षु: ||महा. अनु.||277/36||

सत्यं ब्रूयात् प्रियं ब्रूयात्||मनु.||4/138||

सत्यं वद धर्मं चर ||तैत्तिरीय||1/11/13||

सर्वं स्वार्थं समाहित ||शिशु||2/65||

सह नाववतु, सह नौ भुनक्तु, सह वीर्यं करवावहै ||कठ.||2/3/19||

अभिवादनशीलस्य नित्यम्वृद्धधोपसेविन:|

चत्वारि सम्प्रवर्धन्ते विद्याऽर्युयशोबलम्|||महा.||3/39/60||

आस्था चंद

कक्षा – VIII

विभक्ति प्रयोग			
विभक्ति	कारक	चिन्ह	उदाहरण
प्रथमा	कर्त्ता	ने	रामः गच्छति । बालक: क्रीड़ति ।
द्वितीया	कर्म	को	रामः ग्रामं गच्छति । देवदत्त: ओदनं पचाती ।
तृतीया	करण	से, के द्वारा	रामः विमानेन गच्छति । स: चमसेन खादति ।
चतुर्थी	संप्रदान	के लिए	तस्मै रामाय नमः । बालकाय मोदक रोचते ।
पंचमी	अपादान	से (पृथक होने में)	रामः ग्रामात् आगच्छति । वृक्षात् पत्रं पतति ।
षष्ठी	संबंध	का, की, के	रामस्य धनु: अत्र अस्ति । तस्य गृहं कुत्र ?
सप्तमी	अधिकरण	में , पर	रामःकटे आस्ते । तिलेषु तैलम । सर्वस्मिन् आत्मा अस्ति ।

अनुष्का

कक्षा - 8

विराम चिन्ह		
विराम	चिन्ह	उदाहरण
पूर्ण विराम	|	अहं पुस्तकम् लिखामि | चंद्र श्री चलचित्रं पश्यति |
अल्प विराम	,	सह नाववतु, सह नौ भुनक्तु, सह वीर्यं करवावहै
अर्द्ध विराम	;	
प्रश्नवाचक चिन्ह	?	तस्य गृहं कुत्र ?
संबोधन, विस्मय	!	रे रे चातक! सावधान मनसामित्र!.....
उद्धरण चिन्ह	" "	"पीयूषममृतं सुधा" इत्यमर: |
निर्देश चिन्ह	:-	आसीच्च तस्य मनासा: :- "नास्ति खलु आसाध्यं नाम तपसाम्|
योजक चिन्ह	-	शशि-दिवाकरयोर्ग्रहपीऽनम्, गज-भुजंगमयोरपि बंधम्
कोष्ठक चिन्ह	{}, [ ], ( )	शशिश्च (चंद्रमाश्च), दिवाकरश्च सूर्यश्च ग्रहपीऽनम्
प्रसंगसमाप्ति चिन्ह	||	अतएव श्रुतिराह:- 'अहम् ब्रह्मास्मि'||
पर्याय चिन्ह	=	शशि: - राकेश: दिवाकर: = सूर्य: |
संधि विच्छेद चिन्ह	+	संस्कृत = सम् + सुट्ऽ कृ+क्त निबंध = नि+बंध + धज्

अनन्या

कक्षा - 8

नीतिशतक की महत्वपूर्ण सूक्तियाँ

श्लोक : 1

"वाण्येका समलंकरोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते |
क्षीयन्तेऽखिल भूषणानि सततं वाग्भूषणम भूषणम्"||

अर्थ : - केवल एक वाणी ही जो व्याकरणादि से परिशुद्धकर धारण की जाती है, पुरुष की शोभा बढ़ाती है, समस्त आभूषण नष्ट हो जाते हैं, वाणी रूपी आभूषण ही नित्य स्थायी आभूषण होता है |

श्लोक : 2

"सम्पत्सु महतांचित्तं भवत्युत्प्लकोमलम्|
आपत्सु च महाशैलशिलासंघातकर्कशम्"||

अर्थ : - संपत्ति काल में महापुरुषों का मन कमल के समान कोमल होता है और विपत्ति काल में वही विशाल पर्वतों की शिलाओं के समूह की भांति कठोर हो जाता है |

श्लोक : 3

"दुर्जन: परिहर्तव्य:, विद्यायलंकृतोऽपि सन्|
मणिना भूषित: सर्प:, किमसौ न भयंकर:"||

अर्थ : - विद्या से विभूषित होकर भी दुर्जन दूर रखने योग्य ही होता है, नागमणि से आभूषित भी सर्प क्या भयानक नहीं होता?

श्लोक : 4

"व्यायाम् लभते स्वास्थ्यं, दीर्घायुशं बलं सुखम्|
आरोग्यं परमं भाग्यं, स्वास्थ्यं सर्वार्थ साधनम्" ||

अर्थ : - व्यायाम से ही स्वास्थ्य, लंबी आयु, शक्ति और सुख की प्राप्ति होती है, निरोगी होना परम भाग्य है, केवल स्वास्थ्य से ही कार्य भी सिद्ध (पूर्ण) हो सकते हैं |

कविता जोशी(संविदा शिक्षक)
प्र०स्ना०शि० (संस्कृत)

लौकिक संस्कृत : संक्षिप्त परिचय

दृश्य काव्य			**श्रव्य काव्य**		
रूपक (10)	**अरूपक (18)**	**गद्यकाव्य**		**चंपुकाव्य**	
नाटक – अभिज्ञान शाकुंतलम्	नाटिका				
प्रकरण – मृच्छकटिकम्	त्रोटक	**कथा**	**आख्यायिका**		
भाण – लीलामधुकरम्	गोष्ठी				
प्रहसन – कन्दर्पकेलि	सट्टक	कादम्बरी	हर्षचरितम्		
डिम – त्रिपुरदाह:	नाट्यरासक				
व्यायोग – सौगंधिकाहरणम्	प्रस्थान	**पद्यकाव्य**			
समवकार – समुद्रमंथन	उल्लाप्य				
वीथी – मालविका	काव्य	**महाकाव्य**		**खंडकाव्य**	**मुक्तक काव्य**
अंक – शारमिष्ठाययाति	प्रेङ्खंड	किरातार्जुनीयम्		मेघदूत	नीतिशतक
ईहामृग – कुसुमशेखरविजयादि	रासक	शिशुपालवध		ऋतुसंहार	शृंगार शतक
	सलापक	नैषध महाकाव्य			अमरूक शतक
	श्रीगदित				
	शिल्पक				
	विलासिका				
	दुर्मल्लिका				
	प्रकरणी				
	हल्लीशक				
	भाणिका				

नेहा सोनल

कक्षा - 8

लौकिक संस्कृत : संक्षिप्त परिचय

संहिता	ब्राह्मण	आरण्यक	उपनिषद्
ऋग्वेद ऋत्विक – होता मंत्र – 10580 1/4	ऐतरेय(ऋ:) कौषितकि (ऋ:) शतपथ (यजु:) पंचविशं (साम) षड्विशं (साम.) गोपथ (अथर्व.)	ऐतरेय(ऋ:) वृहदारण्यक (यजु.) छान्दोग्यारण्यक (साम.)	ऐतरेय(ऋ:) कौषितकि (ऋ:) ईशावस्योप्निषद (शुक्ल यजु.) कठोपनिषद् (कृष्ण यजु.) वृहदारण्यक (यजु.) छान्दोग्योपनिषद् (साम.) केनोपनिषद् (साम.) प्रश्नोप्निषद् (अथर्व.) मुंडकोपनिषद् (अथर्व.)
यजुर्वेद ऋत्विक – अध्वर्यु मुख्य देवता – वायु शाखाएँ – 85			
सामवेद ऋत्विक – उद्गाथा मुख्य देवता –सूर्य मंत्र – 1875			
अथर्ववेद ऋत्विक – ब्रह्मा मुख्य देवता – सोम काण्ड – 20 मंत्र – 6000			

नेहा सोनल
कक्षा - 7

विभिन्ना: संस्थानस्य ध्येय वाक्यं

1)भारतीय प्रशासनिक सेवा आदमी – योगः कर्मसु कौशलं

अर्थ- कर्मों में कुशलता ही योग है|

2) भारतीय जीवन वीमा निगम – योगक्षेमः वहाम्यहम

अर्थ- मैं योगक्षेम वहन करता हूँ|

3) सेना राजपूतानाराइफल ___वीरभोग्या वसुन्धरा

अर्थ--- धरती का भोग वीर ही करते हैं|

4) उच्चतम न्यायालय - यतोधार्मोस्ततो जय:

अर्थ – जहाँ धर्म है वहाँ विजय है|

5) लोक सभा – धर्म-चक्र प्रवर्तनाय

अर्थ- धर्मचक्र के प्रवर्तन के लिए

6) नेपाल सरकार -- जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयशी

7) डाक-तार विभाग - अहर्निश सेवामहे

अर्थ – हम दिन रात सेवा करते हैं |

8) दूरदर्शन – सत्यम शिवम सुन्दरम

अर्थ- सत्य कल्याणकारी और सुन्दर है|

9) श्रम मंत्रालय – श्रमेव जयते

अर्थ- श्रम ही विजयी होता है|

10) भारत सरकार - सत्यमेव जयते

अर्थ – सत्य की ही विजय होती है |

उत्कर्ष

NHPC, BANBASA
MACAY

स्वच्छता पखवाड़ा

EXCELLENCE IS

EXCELLENCE IS OUR MISSION
KENDRIYA VIDYALAYA, No. 2
NHPC, BANBASA
SPIC MACAY

क्रम	कर्मचारी का नाम	पद
1	श्रीमती रंजना बरफाल	प्राचार्य
2	श्री एच पी वर्मा	पी जी टी अंग्रेजी
3	श्रीमती बन्दना	पी जी टी रसायन
4	श्रीमती सुपर्णा मजूमदार	पी जी टी जीव विज्ञान
5	श्री आनंद मिश्रा	पी जी टी संगणक
6	श्री एन बी सिंह	पी जी टी गणित
7	श्री के एस रावत	पी जी टी भौतिकी
8	श्री श्यामलाल	पी जी टी हिंदी
9	श्रीमती अनु त्यागी	पी जी टी लेखाशास्त्र
10	श्री बी.पी. सिंह	पी जी टी अर्थशास्त्र
11	श्री सुमेरी लाल	टी जी टी अंग्रेजी
12	श्री मुहम्मद मुदस्सिर	पुस्तकालयाध्यक्ष
13	श्रीमती श्वेता भाल	टी जी टी कला शिक्षक
14	श्री ललित मोहन नेगी	टी जी टी शारीरिक शिक्षा
15	श्रीमती पिंकी	कार्यानुभव शिक्षक
16	श्रीमती अंकिता	टी.जी.टी.बायो
17	श्री सतीश चन्द्र उप्रेती	टी जी टी सा०विज्ञान
18	श्री सचिन सिंह राणा	टी जी टी (गणित)
19	श्रीमती नीलम कुमारी	टी जी टी (संस्कृत)
20	श्री एच वी मिश्रा	प्राथमिक शिक्षक
21	श्रीमती कुमकुम मिश्रा	प्राथमिक शिक्षक
22	श्री बी. के. पुष्कर	प्राथमिक शिक्षक
23	श्रीमती उषा किरण	प्राथमिक शिक्षक
24	रिक्त	प्राथमिक शिक्षक
25	श्रीमती स्वीटी गोयल	प्राथमिक शिक्षक
26	रिक्त	प्राथमिक शिक्षक
27	श्री राजेश कुमार	वरिष्ठ सचिवालय सहायक
28	श्री ए के पाराशर	कनिष्ठ सचिवालय सहायक
29	श्री आर डी शर्मा	सब स्टाफ
30	श्री आर के राणा	सब स्टाफ
31	श्री वी एन शर्मा	सब स्टाफ
32	श्री सी एल सागर	सब स्टाफ
33	श्री बालकिशन	सब स्टाफ
34	श्री राजेश कुमार	सब स्टाफ

संविदा शिक्षक		
1	सुश्री ममता चौसाली	पी.जी.टी. कॉमर्स
2	सुश्री कविता जोशी	टी.जी.टी. संस्कृत
3	श्री विनोद आर्य	पी.आर.टी.
4	श्री गुरुदेव सिंह राणा	खेल प्रशिक्षक
5	श्रीमती ज्योति जोशी	नर्स
6	सुश्री अंजलि गोयल	पी.आर.टी.
7	श्री पंकज बिष्ट	कंप्यूटर प्रशिक्षक
8	सुश्री नेहा कापड़ी	योग प्रशिक्षिका
9	सुश्री शिखा	प्राथमिक शिक्षिका

विद्यालय स्टाफ़

केन्द्रीय विद्यालय क्र०-2, एन.एच.पी.सी., बनबसा

"A Day to Remember and Salute the Brave Soldier of India"
"We won against them in Cargill But we lost our Dear in those Hills"
Kargill Diwas
Equality
Justice
CLEAN INDIA, GREEN INDIA
Ask for Someone favour sell your freedom...
DUSTBIN USE ME
SWACHH BHARAT ABHIYAAN
Clean
Green
India!
DUST BIN
KARGIL VIJAY DIWAS
KARGIL
VIJAY
EDUCATIONAL RIGHT
WOMEN POWER
LOYALTY TOWARDS NATION
SWACHH BHARAT
EQUALITY
SATYAGRAHA
Paida hote hi apni Vatan k naam kar di Vatan ki Raksha k khatir Apni jaan Kurbaan Karte H
Indian Army
Kargil Vijay Diwas
India Rising
Swachh Bharat
हम सब का यही नारा,
साफ सुथरा हो देश हमारा
If keep your area clean whole the India automatically become clean
GREEN CITY
CLEAN CITY
I appeal to every citizen to dedicate 100 hours a year towards cleanliness
USE ME